उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में तनाव और स्कूल के परिवेश के संबंध में शैक्षणिक उपलब्धि का एक अध्ययन

शशि दुबे
रिसर्च स्कॉलर, शिक्षा विभाग, भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान

प्रो (डॉ.) आर.के. एस. अरोड़ा
प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान

सारांश

वर्तमान अध्ययन में अन्वेषक द्वारा जिला जबलपुर में छात्रों में तनाव और स्कूल के माहौल के संबंध में उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है। दो निजी स्कूलों के माध्यमिक विद्यालय के 100 छात्रों को सरल यादृच्छिक तकनीकों को नियोजित करके तैयार किया गया है। नमूने के मूल्य का आकलन मानकीकृत परीक्षण का उपयोग करके किया गया है। अध्ययन का उद्देश्य उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और तनाव के बीच संबंध का अध्ययन करना है। और उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल के वातावरण के बीच संबंध का अध्ययन करना है। प्राप्त आंकड़ों का वर्णनात्मक अनुमानात्मक आंकड़ों का उपयोग करके मात्रात्मक विश्लेषण किया गया है।

मुख्य शब्द : *शैक्षणिक उपलब्धि, चिंता, स्कूल का माहौल और किशोर लड़के और लड़कियां*

1. प्रस्तावना

प्रत्येक विद्यार्थी अपने समुदाय या समाज की संस्कृति का प्राणी होता है। उनका व्यक्तित्व काफी हद तक उन सांस्कृतिक प्रभावों का उत्पाद है जो उनका समाज उन पर लाता है। प्रसिद्ध अमेरिकी शैक्षिक समाजशास्त्री, जॉर्ज पायने ने कहा कि मानव व्यक्तित्व का विकास या मानव व्यवहार में संशोधन, जो कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य है, को बेहतर ढगं से समझा जा सकता है।

यदि कोई उन समाजशास्त्रीय ताकतों को जानता है जिनका मानव व्यक्तियों पर दबाव है। बाहरी परीक्षा पूरे समाज पर प्रभाव पैदा करने की अपनी क्षमता के कारण देश में स्कूल स्तर पर पूरी शैक्षिक प्रक्रिया पर हावी रही है। शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन की गुणवत्ता से सीधा संबंध है। वर्तमान समाज में, बोर्ड परीक्षा में अंकों के आधार पर उपलब्धि किसी के भविष्य के अध्ययन और रोजगार को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। फिर भी, राष्ट्र की प्रगति उसके नागरिकों की बौद्धिक क्षमता पर निर्भर करती है। अंततः यह आवश्यक है कि हमारे बच्चों में प्रतिभा की पहचान की जाए और उपयुक्त वातावरण प्रदान किया जाए, जिससे वे उच्च उपलब्धि की दिशा में अपनी क्षमता का विकास कर सकें। विद्यालय में विद्यार्थी की उपलब्धि विद्यार्थियों की पृष्ठभूमि के कारकों, विद्यालय की संगठनात्मक विशेषताओं, शिक्षकों की व्यावसायिक विशेषताओं, विद्यालय के वातावरण आदि से संबंधित होती है। ये श्रेणियां एक–दूसरे से संबंधित होती हैं, साथ ही सामाजिक कारकों के बीच अन्योन्याश्रितताओं को दर्शाती छात्र उपलब्धि से भी संबंधित होती हैं। शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ एक स्कूल के संगठन के सामान्य सहसंबंध को स्कूल के आकार, कक्षा के आकार, कर्मचारियों के मानक सामंजस्य और स्कूल के मामलों में शिक्षकों के नियंत्रण की भावना के कारकों में विभाजित किया जा सकता है। शैक्षणिक उपलब्धि अपेक्षाओं ने छात्रों में इतना भय पैदा कर दिया है कि वे अपनी मूल क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं उन्हें केवल अपने अकादमिक प्रदर्शन पर ध्यान देना है। दैनिक शैक्षणिक वातावरण और कई शैक्षणिक कार्य छात्रों की व्यक्तिगत भलाई के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। जब तनाव होता है, जिसका छात्र सामना नहीं कर सकते हैं, तो शिक्षक को उसे कम से कम कुछ समय के लिए उससे दूर

करने का प्रयास करना चाहिए। हालांकि, केवल निवारक अत्यधिक तनाव पर्याप्त नहीं है। अंततः छात्र को कई प्रकार के तनावों से निपटना सीखना होगा जो उसके जीवन अपरिहार्य होंगे। यह धीरे–धीरे ही होता है कि छात्र तनाव का सामना करना सीखते हैं। शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें और जिसके द्वारा युवाओं के ज्ञान, चरित्र और व्यवहार को आकार दिया जाता है और ढाला जाता है शिक्षा एक अनुकूल प्रक्रिया है जो बच्चे के व्यक्तित्व को सभी पहलुओं में विकसित करती है– शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक। इस सर्वांगीण विकास से वह एक जिम्मेदार, गतिशील, साधन संपन्न बन जाता है। शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति (1986), कार्य योजना (1992) और माध्यमिक शिक्षा आयोग (1952–53) ने शिक्षा प्रणाली में सुधार और छात्रों के विकास और विकास में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया है।

2. अध्ययन के उद्देश्य

1. उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और तनाव के बीच संबंध का अध्ययन करना।
2. उच्च माध्यमिक विद्यालयों के बालकों की शैक्षिक उपलब्धि एवं तनाव के बीच संबंध का अध्ययन करना।
3. उच्च माध्यमिक विद्यालयों की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा तनाव के बीच संबंध का पता लगाना।
4. उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल के वातावरण के बीच संबंध का पता लगाना।
5. उच्च माध्यमिक विद्यालयों के बालकों की शैक्षिक उपलब्धि तथा विद्यालयी वातावरण के बीच संबंध का पता लगाना।
6. उच्च माध्यमिक विद्यालयों की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा विद्यालयी वातावरण के बीच संबंध का पता लगाना।

3. अध्ययन की परिकल्पना

इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शून्य परिकल्पना तैयार की गई है

1. उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और तनाव के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
2. उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लड़कों की शैक्षिक उपलब्धि और तनाव के बीच कोई सार्थक संबंध नहीं है।
3. उच्च माध्यमिक विद्यालयों की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि और तनाव के बीच कोई सार्थक संबंध नहीं है।
4. उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल के माहौल के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।
5. उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लड़कों की शैक्षणिक उपलब्धि और विद्यालयी वातावरण के बीच कोई सार्थक संबंध नहीं है।
6. उच्च माध्यमिक विद्यालयों की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा विद्यालयी वातावरण के बीच कोई सार्थक संबंध नहीं है।

4. समस्या का औचित्य

उपलब्धि सभी शैक्षिक प्रयासों का अंतिम उत्पाद है(बालसुब्रमण्यन, 1997)। सभी शैक्षिक प्रयासों की मुख्य चिंता छात्र की उपलब्धि पर केंद्रित है। उपलब्धि की अवधारणा को मानव व्यवहार के संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनो–प्रेरक पहलुओं का पता लगाया गया है। आधुनिक युग गला काटने की प्रतियोगिता का युग है, जिसके परिणामस्वरूप तनाव और मानसिक बीमारी होती है। वर्तमान युग में शैक्षिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। पाठ्यचर्या और सह–पाठ्यचर्या की पेशकशों में जबरदस्त विस्तार हुआ है, जिससे छात्रों को समायोजन की समस्याओं में जकड़ लिया गया है। असुरक्षा की भावना, विभिन्न प्रकार के संघर्ष, बुरी संगति और कम उपलब्धि छात्रों में भावनात्मक तनाव और तनाव पैदा करती है। चुनौतियों का सामना करने और तनाव से निपटने में अक्षमता के कारण छात्र नशे की ओर बढ़ रहे हैं और यहां तक कि सुसाइड नोट भी बढ़ रहा है। इन सभी कारकों के लिए समस्या के साथ जांच की एक अधिक औपचारिक, व्यवस्थित और गहन प्रक्रिया की आवश्यकता होती है ताकि विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों के प्रदर्शन में सुधार हो, बौद्धिक विकास के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया जा सके और छात्रों के बीच तनाव को कम किया जा सके। स्कूल बच्चों के व्यक्तित्व को ढालने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि 6 से 18 वर्ष की आयु के बीच बच्चे के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा स्कूल में व्यतीत होता है। इसलिए वह पसंद और नापसंद, अनुरूप और विद्रोह की प्रक्रिया जारी रखता है, दुनिया और खुद की अवधारणा प्राप्त करता है। इसलिए, विज्ञान और स्कूल के वातावरण में कम उपलब्धि के बीच संबंधों का अध्ययन करने की आवश्यकता है। उपरोक्त अवलोकन को ध्यान में रखते हुए, अन्वेषक ने उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की उनके तनाव और स्कूल के वातावरण के संबंध में शैक्षणिक उपलब्धि को देखना आवश्यक समझा।

5. सामग्री और तरीके

वर्तमान जांच में अन्वेषक द्वारा उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के तनाव और स्कूल के वातावरण के संबंध में शैक्षणिक उपलब्धि का आयोजन किया गया था।

5.1 कार्यप्रणाली

प्रस्तुत शोध की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए शोधार्थी ने इस अध्ययन के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

5.2 उपकरण और तकनीक

प्रत्येक प्रकार के शोध के लिए किसी भी समस्या के अध्ययन के लिए आवश्यक नए अज्ञात डेटा एकत्र करने के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग किया जाता है। इस अध्ययन को संचालित करने के लिए अन्वेषक द्वारा निम्नलिखित दो उपकरणों का उपयोग किया जाएगा।
वो है

- सिन्हा का व्यापक चिंता परीक्षण (एससीएटी) ए.के.पी. सिन्हा
- डॉ करुणा शंकर मिश्रा की स्कूल पर्यावरण सूची (एसईआई)

5.3 अध्ययन का नमूना

वर्तमान अध्ययन में, अन्वेषक ने यादृच्छिकीकरण तकनीक को अपनाया है। नमूने में जिला जबलपुर, मध्य प्रदेश के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के 100 छात्र शामिल थे। नमूना जबलपुर के दो निजी स्कूलों से लिया गया है। वर्तमान अध्ययन के लिए कक्षा IX के 13–16 आयु वर्ग के प्रत्येक स्कूल के 100 छात्र में से , 50 लड़के और 50लड़कियों का यादृच्छिक चयन किया गया है ।

5.4 प्रयुक्त सांख्यिकीय तकनीक

अनुसंधान परिकल्पनाओं के परीक्षण के लिए निम्नलिखित तकनीकों को नियोजित किया गया है : माध्य, पियर्सन उत्पाद क्षण सहसंबंध।

6. विश्लेषण और व्याख्या

डेटा के विश्लेषण और व्याख्या के हैं बाद जो महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आए हैं, वे नीचे दिए गए

6.1 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और तनाव के बीच संबंध

इस परिकल्पना का परीक्षण करने के लिए कि वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और तनाव के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है, पियर्सन के उत्पाद क्षण सहसंबंध की गणना नीचे दिए गए विवरण के अनुसार उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की उपलब्धि और तनाव के बीच की गई है :

तालिका 1.1: उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और तनाव के बीच संबंध

चर	N	r	सार्थक स्तर
शैक्षणिक उपलब्धि	100	-0.64	0.01स्तर पर महत्वपूर्ण
तनाव	100		

यह तालिका 1.1 से दर्शाया गया है कि उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और तनाव के बीच संबंध –0.64। चूँकि प्राप्त 'r' सारणीबद्ध मानों से बहुत अधिक है। अतः परिकल्पना –1, उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और तनाव के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है अस्वीकार किया जाता है। इस प्रकार इसे शैक्षणिक उपलब्धि के रूप में फिर से परिभाषित किया जा सकता है और उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की तनाव महत्वपूर्ण रूप से

संबंधित हैं। इस प्रकार यह व्याख्या की जा सकती है कि उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और तनाव एक दूसरे के साथ नकारात्मक रूप से सहसंबद्ध हैं।

6.2 उच्च माध्यमिक विद्यालय के लड़कों की शैक्षणिक उपलब्धि और तनाव के बीच संबंध

इस परिकल्पना का परीक्षण करने के लिए कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लड़कों की शैक्षणिक उपलब्धि और तनाव के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है, पियर्सन के उत्पाद क्षण सहसंबंध की गणना तालिका 1.2 में दिए गए विवरण के अनुसार उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लड़कों की उपलब्धि और तनाव के बीच की गई है ।

तालिका 1.2: च्च माध्यमिक विद्यालयों के लड़कों की शैक्षणिक उपलब्धि और तनाव के बीच संबंध

चर	N	r	सार्थक स्तर
शैक्षणिक उपलब्धि	50	-0.56	0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण
तनाव	50		

तालिका 1.2 से यह दर्शाया गया है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लड़को की शैक्षिक उपलब्धि एवं तनाव के मध्य सहसम्बन्ध –0.56। चूँकि प्राप्त 'r' सारणीबद्ध मानों से बहुत अधिक है। अतः परिकल्पना–2, उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लड़को की शैक्षिक उपलब्धि तथा लड़को की तनाव के बीच कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है अस्वीकृत किया जाता है। इस प्रकार इसे शैक्षणिक उपलब्धि और उच्च माध्यमिक विद्यालय के लड़कों के तनाव के रूप में महत्वपूर्ण रूप से संबंधित किया जा सकता है। इस प्रकार यह व्याख्या की जा सकती है कि उच्च माध्यमिक विद्यालय के लड़कों की शैक्षणिक उपलब्धि और तनाव एक दूसरे के साथ नकारात्मक रूप से सहसंबद्ध हैं।

6.3 उच्च माध्यमिक विद्यालय की लड़कियों की शैक्षणिक उपलब्धि और तनाव के बीच संबंध

इस परिकल्पना का परीक्षण करने के लिए कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों की लड़कियों की शैक्षणिक उपलब्धि और तनाव के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है, पियर्सन के उत्पाद क्षण सहसंबंध की गणना नीचे दिए गए विवरण के अनुसार उच्च माध्यमिक विद्यालयों की लड़कियों की उपलब्धि और तनाव के बीच की गई है

तालिका 1.3: उच्च माध्यमिक विद्यालयों की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा तनाव के बीच सहसम्बन्ध

चर	N	r	सार्थक स्तर
शैक्षणिक उपलब्धि	50	-0.70	0.01स्तर पर महत्वपूर्ण
तनाव	50		

तालिका 1.3 से यह दर्शाया गया है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों की लड़कियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं तनाव के बीच सहसम्बन्ध –0.70। चूँकि प्राप्त 'r' सारणीबद्ध मानों से बहुत अधिक है। अतः परिकल्पना 3, उच्च माध्यमिक विद्यालयों की लड़कियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं तनाव में कोई सार्थक संबंध नहीं है अस्वीकृत की जाती है।इस प्रकार इसे शैक्षणिक उपलब्धि और उच्च माध्यमिक विद्यालय के लड़कियों की तनाव के रूप में महत्वपूर्ण रूप से संबंधित किया जा सकता है। इस प्रकार यह निष्कर्ष निकलता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों की लड़कियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा तनाव के मध्य सार्थक नकारात्मक सहसम्बन्ध है।

6.4 उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल के माहौल के बीच संबंध

इस परिकल्पना का परीक्षण करने के लिए कि उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल के वातावरण के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है, पियर्सन के उत्पाद क्षण सहसंबंध की गणना नीचे दिए गए विवरण के अनुसार उपलब्धि के स्कोर और स्कूल पर्यावरण उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच की गई है :

तालिका 1.4: उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल के वातावरण के बीच संबंध

चर	N	r	सार्थक स्तर
शैक्षणिक उपलब्धि	100	-0.76	0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण
तनाव	100		

तालिका 1.4 से दर्शाया गया है कि उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल के वातावरण के बीच संबंध 0.76 है। चूँकि प्राप्त 'r' सारणीबद्ध मानों से बहुत अधिक है। अतः परिकल्पना –4, उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल के वातावरण के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है अस्वीकृत कर दिया जाता है। इस प्रकार इसे उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल पर्यावरण के रूप में महत्वपूर्ण रूप से संबंधित किया जा सकता है। इस प्रकार यह निष्कर्ष निकलता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल के वातावरण के बीच महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है।

6.5 उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लड़कों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूली वातावरण के बीच संबंध

इस परिकल्पना का परीक्षण करने के लिए कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लड़कों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल के वातावरण के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है, पियर्सन के उत्पाद क्षण सहसंबंध की गणना नीचे दिए गए विवरण के अनुसार लड़कों के उच्च माध्यमिक विद्यालयों की उपलब्धि और स्कूल के वातावरण के बीच की गई थी:

तालिका 1.5: उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लड़कों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूली वातावरण के बीच संबंध

चर	N	r	सार्थक स्तर
शैक्षणिक उपलब्धि	50	-0.72	0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण
तनाव	50		

तालिका 1.5 से यह दर्शाया गया है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लड़कों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल के वातावरण के बीच संबंध 0.72 है। चूँकि प्राप्त 'r' सारणीबण्द्ध मानों से बहुत अधिक है। अतः परिकल्पना–5, उच्च माध्यमिक विद्यालयों के बालकों की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालयी वातावरण में कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है अस्वीकृत किया जाता है। इस प्रकार इसे उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल पर्यावरण के रूप में महत्वपूर्ण रूप से संबंधित किया जा सकता है। इस प्रकार यह निष्कर्ष निकलता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि और विद्यालय के वातावरण के बीच सार्थक सकारात्मक सहसम्बन्ध है।

6.6 उच्च माध्यमिक विद्यालयों की बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि तथा विद्यालयी वातावरण के बीच सहसम्बन्ध

इस परिकल्पना का परीक्षण करने के लिए कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों की लड़कियों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल के वातावरण के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है, पियर्सन के उत्पाद क्षण सहसंबंध की गणना नीचे दिए गए विवरण के अनुसार लड़कियों के उच्च माध्यमिक विद्यालयों की उपलब्धि और स्कूल के वातावरण के बीच की गई थी:

तालिका 1.6 उच्च माध्यमिक विद्यालयों की लड़कियों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल के माहौल के बीच संबंध

चर	N	r	सार्थक स्तर
शैक्षणिक उपलब्धि	50	-0.79	0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण
तनाव	50		

तालिका 1.6 से दर्शाया गया है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों की लड़कियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा विद्यालयी वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध 0.79 है। चूँकि प्राप्त 'r' सारणीबद्ध मानों से बहुत अधिक है। अतः परिकल्पना–6, उच्च माध्यमिक विद्यालयों की लड़कियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालयी वातावरण में कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है अस्वीकृत की जाती है। इस प्रकार इसे उच्च माध्यमिक विद्यालय की

लड़कियों की शैक्षणिक उपलब्धि और स्कूल पर्यावरण के रूप में महत्वपूर्ण रूप से संबंधित किया जा सकता है। अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि उच्चमाध्यमिक विद्यालयों की लड़कियों की शैक्षणिक उपलब्धि तथा विद्यालयी वातावरण के बीच सार्थक सकारात्मक सहसम्बन्ध है।

7. शैक्षिक निहितार्थ

डेटा के विश्लेषण और व्याख्या से स्पष्ट रूप से पता चला कि सामान्य रूप से छात्र उच्च स्तर के शैक्षणिक तनाव में हैं।स्कूल का माहौल भी ठीक नहीं है। कई आयामों पर वे छात्रों की इच्छाओं और जरूरतों से मेल नहीं खा रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप उनमें संकट पैदा हो गया है। उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण तथ्य नीचे दिए जा रहे हैं। स्कूल छात्रों को एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदर्भ प्रदान करते हैं।यहां वे अपने जागने के समय का एक बड़ा हिस्सा पाठ्यचर्या घटकों के बारे में सीखने में व्यतीत करते हैं। वे स्कूल परिसर में दोस्ती विकसित करते हैं और अन्य सामाजिक व्यवहार सीखते हैं।लेकिन जैसा कि निष्कर्षों से पता चलता है कि छात्रों की इच्छाओं /झुकाव और स्कूल में प्रावधानों के बीच बहुत अधिक बेमेल है। छात्रों स्वतंत्रता, पहचान, स्वायत्तता और कनेक्टिविटी की तलाश करते हैं, लेकिन निष्कर्षों के अनुसार हमारे स्कूलो के माहौल को अस्वीकृत करने में उच्च हैं। बड़ी संख्या में छात्रों ने भी अपने स्कूलों में उच्च स्तर का नियंत्रण दिखाया। स्कूल सख्त अनुशासन और अनुरूपता पर जोर दे रहे हैं जो छात्रों के मनोविज्ञान के अनुकूल नहीं है, जिससे कई किशोरों में उच्च स्तर का शैक्षणिक तनाव होता है, जैसा कि अध्ययन से पता चला है। संक्षेप में, ये वे विशेषताएं हैं जिन्हें वैज्ञानिक सोच की विशेषता कहा जा सकता है और ये प्रकृति में संज्ञानात्मक हैं। छात्रों में रुचि और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में स्कूल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।एक स्वस्थ भावनात्मक वातावरण बच्चे को मुक्त, सहयोगी, खुश और अध्ययन के लिए और नियमों के अनुरूप होने के लिए प्रेरित करता है। इसका तात्पर्य यह है कि कक्षा का वातावरण काफी हद तक किशोर छात्रों को तनावग्रस्त, घबराया हुआ, चिड़चिड़ा, झगड़ालू, अध्ययन में उदासीन और परेशानी भरा व्यवहार करने वाला बना रहा है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे (2005) ने पाठ्यचर्या को छोटा और बच्चों के अनुकूल बनाने के लिए विभिन्न उपायों का सुझाव दिया। लेकिन जैसा कि खोज से पता चलता है कि अधिकांश छात्र मध्यम या उच्च स्तर के शैक्षणिक तनाव में थे। इसे तुरंत और पूरे दिल से सुझावों को लागू करने की जरूरत है। यह संकट मुक्त पाठ्यक्रम की आवश्यकता को दर्शाता है, जिसमें २१वीं सदी के लिए मॉडल पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम का विविधीकरण, समय सारिणी में स्वतंत्रता, वैकल्पिक का चयन, अंकन योजनाएं आदि शामिल हैं। पाठ्यक्रम, पाठ्य पुस्तकों और शिक्षण संसाधनों का विकास एक में किया जा सकता है। छात्रों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विकेंद्रीकृत और सहभागी तरीके से एक जटिल सामाजिक व्यवस्था की जाये है। एक अच्छा शिक्षक बच्चों की जरूरतों और उनके सीखने के प्रति प्रतिक्रिया करता है। लेकिन जैसा कि अध्ययन के निष्कर्षों से पता चलता है कि कक्षाओं में निरकुंश रवैया दिखाने वाले कई शिक्षक थोड़े देखभाल करने वाले, मददगार और उत्तेजक होते हैं। शिक्षकों ने स्वीकृति का औसत स्तर दिखाया है।

सन्दर्भ

1. बालासुब्रियमण्यम, एन. (1993).उनकी बुद्धि के संबंध में अंग्रेजी में छात्र की शैक्षणिक उपलब्धि का अध्ययन. द जर्नल ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज टीचिंग, 28(5), 128–137.
2. बार्न्स (2005).निबंध सार इंटरनेशनल–बी, 65/07, प्रॉक्वेस्ट दस्तावेज, आईडी 775183171.
3. ब्लम, आर.डब्ल्यू. (2005). स्कूल से जुड़ावरू छात्रों के जीवन में सुधार। बाल्टीमोर, एमडीरू जॉन्स हॉपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ।
4. अल–अंजी, फरीह ओवैद (२००५).शैक्षणिक उपलब्धि और कुवैती छात्रों में चिंता, आत्म–सम्मान, आशावाद और निराशावाद के साथ इसका संबंध। सामाजिक व्यवहार और व्यक्तित्वरू एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, वॉल्यूम। 33, 95–104(10).
5. हेमामालिनी,एच.सी. (2011).मैसूर शहर के हाईस्कूल के छात्रों की चिंता और शैक्षणिक उपलब्धि। जर्नल ऑफ कम्युनिटी गाइडेंस एंड रिसर्च. 28(1)रू 94–98.
6. कोरिर, डी.के., और किपकेम्बोई, एफ।(2014). विहिगा काउंटी, केन्या में छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर स्कूल पर्यावरण और सहकर्मी प्रभाव का प्रभाव। www.ijhssnet.com से लिया गया.
7. खातून, टी. और एस. महमूद, 2010।भारत में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच गणित की चिंता और गणित में उपलब्धि के लिए इसका संबंध। ईयूआर। जे. समाज विज्ञान।, 2016 75–86।